कनक अंगनवां फिरत कन्हैया

कनक अंगनवां फिरत कन्हैया,
मधुरी बोल कछु सीखत मोहन,
कहन लागे अब मैया मैया,
कनक अंगनवां फिरत-------।।

नन्द महर सों बाबा बाबा,
बलदाऊ सों भैया भैया,
कनक अंगनवां फिरत--------।।

अधर बीच दंतुल मन मोहत,
नन्द यशोदा लेत बलैया,
कनक अंगनवां फिरत--------

ग्वालबाल सजि धजि संग गोपिन,
धूम मचावत बजत बधैया,
कनक अंगनवां फिरत------

रचना आधार : ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

Source: https://www.bharattemples.com/kanak-angnwa-firat-kanhiya/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw